भूमंडलीकरण युग ःसाहित्य अध्ययन की आवश्यकता

- डॉ.रोहिदास गवारे
- सहा.प्राध्यापकहिंदी विभाग
- अ.र.भा.गरूड महाविद्यालयशेंदुर्नी
- जि.जलगॉव.

भूमंडलीकरण का अर्थ

- बाजारीकरण
- उदारीकरण
- निजीकरण
- भौतिक प्रगति में आगे बढने वाला मानवीयता को भूल गया है ।

साहित्य की आवश्यकता

- संवाद का अबाव
- बिखरते परिवार
- टुटते मानवीय मूल्य
- संस्कारहीनता
- बडो का अनादर
- अहंकार
- विस्थापन
- शोषण

हिंदी साहित्य में समस्याओं का समाधान

- ईदगाह का हमीद : त्याग प्रेम सद्भाव की सीख
- एक टोकरी भर मिटठी : विस्थापन अहंकार का नाश
- कुरूक्षेत्र : प्रेरणा का काव्य
- ऑखों के तारे : निराशा और घुटन से छुटकारा

धन्यवाद...